Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—7206

PAPER—III

Time : 2½ hours] **COMPARATIVE LITERATURE** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

COMPARATIVE LITERATURE

तुलनात्मक साहित्य

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज्ञर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

None of us can fail to be aware of other literatures, other languages, other cultures surrounding, pressing upon, entering, modifying our own. Quotations and allusions, mythological and cross-cultural references clamour to be understood. The literary works we read, or see performed, constitute a 'museē imaginaire' to which many people have contributed. Novels from Africa and India widen our conception of the expressiveness of the English language by incorporating modes of story-telling, metaphors and constructions taken over from oral traditions. Modern poets in particular have shown themselves aware of the many, multi-national voices sounding in their ears. In this situation, the comparatist has a vital task. He can help us to orientate ourselves among these conflicting voices. He can show us the value, the specific contribution of each of the cultures he knows from within. He can explain what seems strange and unfamiliar to us by comparison and contrast with our own traditions. He can watch over the health of literature by studying translations, showing their inadequacies where necessary and suggesting ways of improving them by demonstrating what they have missed. He can follow out allusions, analogies, parallels, historical connections wherever they may lead : and seldom, in the modern world, are they wholly bounded by one language, one set of national frontiers. He can study the role of literature in many different societies. He can trace the movement and transformation of ideas, while also widening the narrow experiences to which our existence in space and time condemns us by opening up, for our emotional and intellectual enrichment, a vast storehouse of imaginative experience. He can increase our knowledge and, at the same time, enlarge our sympathies.

हम में से कोई भी इस बात कि में फेल नहीं हो सकता अन्य भाषाएँ, उनका साहित्य एवं सांस्कृतिक परिवेश हमारी भाषा, साहित्य और संस्कृति पर दवाब डालता है उसमें प्रवेश करता है एवं उसको परिवर्तित करता है। मूल्यों और संदर्भ मिथ और सांस्कृतिकेतर संदर्भ अभिव्यक्तियों को भी समझना आवश्यक है। जो साहित्यिक कृतियाँ हम पढ़ते हैं या अगिनीत होते देखते है वे एक 'museē imaginaire' को निर्मित करते है जो अनेक विद्वानों की देन है। वाचिक परंपरा से लिए गए कहानी कहने की कला रूपक एवं रचना (वाज़्य विन्यास) की पद्धतियों के प्रयोग के द्वारा अफ्रीका और भारत के उपन्यासों ने अंग्रेजी भाषा की अभिव्यज़्ति की धारणा को विस्तृत किया है। अधिकांश आधुनिक कवि इससे पर्याप्त परिचित है, उन पर बहूराष्ट्रीय मतों का प्रभाव है। ऐसी स्थिति में तुलनात्मक साहित्य के क्षेत्र में काम करने वाले व्यज़्ति का कार्य महत्वपूर्ण हो जाता है, वह हमें इन विरोधी स्वरों से अवगत करा सकता है। वह हमें उन मूल्यों और उन विशिष्ट संस्कृतियों, जिनसे वह परिचित है अवगत करवा सकता है। वह अपनी परंपरा में प्रचलित प्रयोगों का नए एवं अपरिचित प्रयोगों से तुलना और व्यतिरेक करके उनकी व्याज़्या कर सकता है। वह अनुवाद के द्वारा, जहाँ आवश्यक हो वहाँ अनुवाद में आने वाली कमियों को इंगितकर उनके संशोधन के उपाय बता सकता है तथा भाषा में ज़्या छूट गया (रिज़्तता) को सामने लाकर साहित्य को सज़्पन्न कर सकता है। वह आधुनिक विश्व में, पूर्णत: एक भाषा तथा सीमाओं से बद्ध तज़्वों की अपेक्षा अभिव्यज़्तियों, सादृश्यों समानान्तरों, ऐतिहासिक संबंधो को, जहाँ तक वे ले जा सकते हैं, का अनुसरण कर सकता है। वह विभिन्न समाजों के साहित्य की भूमिका का अध्ययन कर सकता है। वह विचारों की क्रांति एवं परिवर्तनों के बारे में पता लगा सकता है, वह हमारी संवेदनों और बौद्धिकता का संवर्धन, काल्पनिक अनुभूतियों के विशाल संग्रह के द्वार खोलकर विश्व में हमारी सज़ा की आलोचना करता है तथा संकीर्ण अनुभवों को विस्तृत करता है। वह हमारे ज्ञान में वृद्धि के साथ हमारी संवेदनाओं का विस्तार करता है।

1. "None of us can fail to be aware of other literatures ....." Explain.
'हम में से कोई अन्य भाषाओं के साहित्य के परिचय प्राप्त करने में फेल नहीं हो सकता' व्याज़्या कीजिए।

2. Why is every work that we go through supposed to be a "museē imaginaire" ?
हर कृति जिसका हम ज्ञान प्राप्त करते हैं, एक "museē imaginaire" है ?

3. What, according to the author, is the task of a comparatist ?
लेखक के अनुसार, तुलना करने वाले का कार्य ज़्या है ?

4. Why is a comparatist's task described to be vital ?

तुलना करने वाले का काम महत्वपूर्ण ज़्यों माना जाता है ?

5. "A comparatist widens our narrow experiences". Elucidate.

''तुलना करने वाला हमारे संकीर्ण अनुभवों का संवर्धन करता है'' इसका विशद विवेचन कीजिए।

SECTION - II

खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What do you understand by 'Dialogic imagination' ?

'डाइलौजिकल कल्पना' से आप ज़्या समझते हैं?

7. Comment on 'the anxiety of influence'.

'प्रभाव का चिन्तन' पर टिप्पणी लिखिए।

8. Explain critically the literary significance of 'Analogy'.

सादृश्यता की साहित्यिक महज़ा की आलोचनात्मक व्याज़्या कीजिए।

9. Write a critical note on 'the indeterminacy of translation'.

'अनुवाद की अनियतत्ववाद' पर संक्षिप्त आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

10. "Motifs relate to situations and themes to characters". Discuss.

''मूलभाव पात्रों की स्थिति और विषय से सज़्बद्ध हैं'' चर्चा कीजिए।

11. Write a note on Tamil poetics.

तमिल काव्य के बारे में संक्षेप में लिखिए।

12. Write a note on the significance of Buddhist idea of 'motivation' in Indian literature.

भारतीय साहित्य में बौद्ध धर्म की मान्यता 'प्रेरणा' के बारे में संक्षेप में लिखिए।

13. How far is it correct to say that the notion of 'genre' has over the years, faded in light of the notion of technique ?

यह कहना कहाँ तक उचित है कि 'शैली' की अवधारणा वर्षों से तकनीक की अवधारणा के प्रकाश में धूमिल हो गई है ?

14. What is the literary merit of the term 'Reception' ?

'रिसेप्शन' शब्द के साहित्यिक लाभ क्या है ?

15. "Comparative Literature is a branch of literary history". Comment.

'तुलनात्मक साहित्य साहित्यिक इतिहास की शाखा है। टिप्पणी कीजिए।

16. What do you understand by 'diachronic study of themes' ?

'विषयवस्तु के कालक्रमिक अध्ययन से आप ज़्या समझते हैं?

17. Comment on Geothe's idea of 'Weltliterature'.

'वैल्टलिटरेचर' के गोयथे के विचार के बारे में टिप्पणी लिखिए।

18. Discuss the term 'national literature'.

'नेशनल लिटरेचर' शब्द के बारे में विवेचन कीजिए।

19. Discuss the concept of 'puram poetry' ?

'पुरम पोइटरी' की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

20. Discuss the Progressive Writers' Movement in India.

भारत में प्रगतिशील लेखकों के 'आंदोलन' पर विवेचना कीजिए।

SECTION - III

खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Discuss the intimacy of the relationship between Reception and Production of a cross-cultural literary theory.
अंतर सांस्कृतिक साहित्यिक सिद्धान्तों के रिसेप्शन तथा प्रोडेज़्शन के संबंधो की घनिष्ठता के बारे में चर्चा कीजिए।

22. "Translation is an interlingual affair, yet no two linguistic systems organise experience and perceive reality in an identical manner". Discuss.
''अनुवाद अंतरभाषीय कार्य है, यद्यपि दो भाषिक व्यवस्थाएँ एक तरह से अनुभव को संघटित करती एवं वास्तविकताओं का प्रत्यक्षण करती''। चर्चा कीजिए।

23. How far is it correct to say that the term "Comparative Literature" provokes emotion ?
यह कथन कहाँ तक सही है कि 'तुलनात्मक साहित्य' संवेदनाओ को उज़ेजित करता है।

24. "Genre-Studies operate at differing levels of generalization and abstraction". Discuss.
'शैलीगत अध्ययन सामान्यीकरण और अमूर्ज़ता के विभिन्न स्तरों पर प्रभाव डालता है''। चर्चा कीजिए।

25. "Deconstruction can be viewed as an institution, but within a Kantian framework that excludes practical, moral, logical or even metaphysical goals". Comment on this statement.
''डीकंस्ट्रज़्शन एक संस्था है परन्तु कैंट फ्रेमवर्क में व्यवहार, आचार, नीतिशास्त्र और यहाँ तक की तात्विक लक्ष्यों को अलग रखा जाता है''। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Limitations of Thematology.

थीमैटोलोजी की सीमाएँ।

OR/अथवा

Problems of Periodization from a comparative viewpoint.

तुलना की दृष्टि से पीरियडाईजेशन की समस्या ।

OR/अथवा

Write a critical essay on methodological complications in Comparative Literature and Literary Theory.

तुलनात्मक साहित्य और साहित्यिक सिद्धान्तों में पद्धति की जटिलताओं के बारे में आलोचनात्मक निबंध लिखिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....